TWO-DAY NATIONAL WORKSHOP ON

CURRICULUM DESIGN OF INTEGRATED TEACHER EDUCATION PROGRAMME (ITEP)

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 06-06-2024**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सफलता के लिए योग्य शिक्षक आवश्यक: प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार से दो दिवसीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला की शुरूआत हो गई। इस कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और इसके लिए आवश्यक है कि योग्य शिक्षक अपना सर्वोत्तम योगदान प्रदान करें।

कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सभी उपस्थित विशेषज्ञों व मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया। शिक्षक शिक्षा पीठ के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कार्यशाला के महत्त्व और उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में बीते वर्ष शुरू हुए इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) के लिए यह आयोजन एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है।

कुलपति ने अपने संबोधन में वोकेशनल एजुकेशन के महत्त्व का उल्लेख करते हुए कौशल विकास को प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी बताया। कार्यक्रम के पहले दिन विशेषज्ञ के रूप में एनसीईआरटी के शिक्षक शिक्षा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. एस.के. यादव; कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. आर.एस. यादव; गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. वंदना पुनिया; हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. विशाल सूद; सीडीएलयू सिरसा के प्रो. राजकुमार; एनसीईआरटी की पूर्व शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. सरोज बाला; हकेवि के पूर्व प्रोफेसर प्रो. वी.एन. यादव; प्रो. पायल चंदेल, प्रो. जे.पी. भूकर; प्रो. प्रमोद कुमार; प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने विभिन्न सत्रों में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के अंत में कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. आरती यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर शिक्षा पीठ के सभी शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष व शिक्षक उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 06-06-2024**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सफलता के लिए योग्य शिक्षक आवश्यक

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में बुधवार को दो दिवसीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन कार्यक्रम (आईटीईपी) पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों से विशेषज्ञ प्रतिनिधियों भागीदारी कर रहे हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है और इसके लिए आवश्यक है कि योग्य शिक्षक अपना सर्वोत्तम योगदान प्रदान करें।

शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सभी उपस्थित विशेषज्ञों व मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया। शिक्षक शिक्षा पीठ के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कार्यशाला के महत्त्व और उद्देश्यों के बारे में बताया। कार्यक्रम और कार्यशाला के समन्वयक प्रो. नंद किशोर ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कि आज के समय में बेहद जरूरी है कि विद्यार्थियों को पढ़ाने वाले शिक्षक योग्य हो और वे बदलते हुए समय की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल सम्पन्न हों। उन्होंने कौशल विकास को प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी बताया।

इस दौरान प्रो. एसके यादव, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. आरएस यादव, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की प्रो. वंदना पुनिया, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. विशाल सूद, सीडीएलयू सिरसा के प्रो. राजकुमार, एनसीईआरटी की पूर्व शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. सरोज बाला, हकेंवि के पूर्व प्रो. वीएन यादव मौजूद रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 06-06-2024**

हकेवि में दो दिवसीय आईटीईपी पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का आयोजन

महेन्द्रगढ, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार से दो दिवसीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला की शुरुआत हो गई। इस कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और इसके लिए आवश्यक है कि योग्य शिक्षक अपना सर्वोत्तम योगदान प्रदान करें। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सभी उपस्थित विशेषज्ञों व मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिक्षक शिक्षा पीठ के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कार्यशाला के महत्त्व और उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में बीते वर्ष शुरु हुए इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) के लिए यह आयोजन एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है। इसके पश्चात कार्यक्रम और कार्यशाला के समन्वयक प्रो. नंद किशोर ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 06-06-2024**

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सफलता के लिए योग्य शिक्षक आवश्यक'

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के अवसर पर उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, जागरण. महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार से दो दिवसीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आइटीईपी) पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला की शुरुआत हो गई। इस कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। कुलपति ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। इसके लिए आवश्यक है कि योग्य शिक्षक अपना सर्वोत्तम योगदान प्रदान करें। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में बेहद जरुरी है कि विद्यार्थियों को पढ़ाने वाले शिक्षक योग्य हों और वे बदलते हुए समय की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल सम्पन्न हों। यह आयोजन अवश्य ही इस दिशा में सहयोगी साबित होगा। शिक्षा व्यवस्था में हो रहे बदलावों के परिणाम स्वरुप आवश्यक है कि एक शिक्षक योग्य शिक्षक होने के साथ-साथ एक बेहतर इंसान भी हो। शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सभी उपस्थित विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त किया। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कार्यशाला के महत्त्व और उद्देश्यों की जानकारी दी और बताया कि विश्वविद्यालय में शुरु हुए इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम के लिए यह आयोजन महत्त्वपूर्ण प्रयास है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 06-06-2024**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सफलता के लिए योग्य शिक्षक जरूरी : प्रो. टंकेश्वर

महेन्द्रगढ़ के हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रतिनिधियों को संबोधित करते प्रो. टंकेश्वर कुमार। -हप्र

महेन्द्रगढ़, 5 जून (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार से दो दिवसीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला की शुरुआत हुई। इसकी शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसके लिए आवश्यक है कि योग्य शिक्षक सर्वोत्तम योगदान दें।

शिक्षा पीठ के डीन प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। शिक्षक शिक्षा पीठ के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में बीते वर्ष शुरू हुए आईटीईपी के लिए यह आयोजन अहम प्रयास है। कार्यक्रम और कार्यशाला के समन्वयक प्रो. नंद किशोर ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के पहले दिन विशेषज्ञ के रूप में एनसीईआरटी के शिक्षक शिक्षा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. एसके यादव, कुवि के शिक्षा संकाय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. आरएस यादव, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. वंदना पुनिया, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. विशाल सूद, सीडीएलयू सिरसा के प्रो. राजकुमार, एनसीईआरटी की पूर्व शैक्षणिक अधिष्ठाता सरोज बाला, हकेवि के पूर्व प्रो. वीएन यादव, प्रो. पायल चंदेल, प्रो. जेपी भूकर, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने विचार व्यक्त किए।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 06 June 2024
https://epaper.dainiktribun

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 06-06-2024**

हकेवि में दो दिवसीय आईटीईपी पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सफलता के लिए योग्य शिक्षक जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। उद्घाटन सत्र के अवसर पर उपस्थित कुलपति व विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार से दो दिवसीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला की शुरूआत हो गई। इस कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और इसके लिए आवश्यक है कि योग्य शिक्षक अपना सर्वोत्तम योगदान प्रदान करें। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके पश्चात शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सभी उपस्थित विशेषज्ञों व मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया। शिक्षक शिक्षा पीठ के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में बीते वर्ष शुरू हुए इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम के लिए यह आयोजन एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है। इसके पश्चात कार्यक्रम और कार्यशाला के समंवयक प्रो. नंद किशोर ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए बताया कि आज के समय में बेहद जरुरी है कि विद्यार्थियों को पढ़ाने वाले शिक्षक योग्य हों और वे बदलते हुए समय के अनुरूप कौशल सम्पन्न हों।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 06-06-2024**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सफलता के लिए योग्य शिक्षक आवश्यक : कुलपति

हकेवि में दो दिवसीय आईटीईपी पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़, 5 जून (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार से दो दिवसीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला की शुरुआत हो गई। कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है और इसके लिए आवश्यक है कि योग्य शिक्षक अपना सर्वोत्तम योगदान प्रदान करें।

राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र पर उपस्थित कुलपति व विशेषज्ञ।

शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सभी उपस्थित विशेषज्ञों व मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया। शिक्षक शिक्षा पीठ के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कार्यशाला के महत्त्व और उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में बीते वर्ष शुरु हुए इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) के लिए यह आयोजन एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है। इसके पश्चात कार्यक्रम और कार्यशाला के समन्वयक प्रो. नंद किशोर ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए बताया कि आज के समय में बेहद जरुरी है कि विद्यार्थियों को पढ़ाने वाले शिक्षक योग्य हों और वे बदलते हुए समय की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल सम्पन्न हों। यह आयोजन अवश्य ही इस दिशा में सहयोगी साबित होगा। कुलपति ने अपने संबोधन में वोकेशनल एजुकेशन के महत्त्व का उल्लेख करते हुए कौशल विकास को प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में हो रहे बदलावों के परिणाम स्वरुप आवश्यक है कि एक शिक्षक योग्य शिक्षक होने के साथ-साथ एक बेहतर इंसान भी हो। कुलपति ने आयोजन में सम्मिलित सभी विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से वे आईटीईपी पाठ्यक्रम में आवश्यक बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेंगे। कार्यक्रम के पहले दिन विशेषज्ञ के रूप में एनसीईआरटी के शिक्षक शिक्षा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. एस.के. यादव; कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. आर.एस. यादव; गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. वंदना पुनिया, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विवि. के प्रो. विशाल सूद, सीडीएलयू सिरसा के प्रो. राजकुमार, एनसीईआरटी की पूर्व शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. सरोज बाला, पूर्व प्रोफेसर प्रो. वी.एन. यादव, प्रो. पायल चंदेल, प्रो.जेपी भूकर, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने विभिन्न सत्रों में विचार व्यक्त किए।

अंत में कार्यक्रम की समन्वयक डॉ.आरती यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर शिक्षा पीठ के सभी शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष व शिक्षक उपस्थित रहे।